कोटा में 195 मेगावाट की सातवीं विद्युत इकाई सिन्क्रोनाइज्ड प्रतिदिन 47 लाख यूनिट बिजली बनेगी

जयपुर 30 मई। कोटा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन में 195 मेगावाट की नवनिर्मित सातवीं इकाई को आज शनिवार को दिन में 2 बजकर 30 मिनट पर विद्युत उत्पादन के लिये सफलतापूर्वक सिन्क्रोनाइज कर राज्य ग्रिड से जोड दिया गया हैं। अगले दो महिनो में निर्धारित तकनीकी परीक्षणों और जांच के बाद इस इकाई से पूर्ण क्षमता पर विद्युत उत्पादन शुरु करने का लक्ष्य है जिसके साथ ही इस इकाई से प्रतिदिन 47 लाख यूनिट बिजली बनने लगेगी।

सातवीं इकाई के सिन्क्रोनाइजेशन के अवसर पर राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक डा. एस.के.कल्ला, निगम के निदेशक श्री एम.एल.कोठारी, मुख्य अभियंता (निर्माण) श्री टी.के.बरडिया, मुख्य अभियंता (परि. एवं संधारण) श्री वी.कुमार, भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स (भेल) के अतिरिक्त महाप्रबन्धक श्री ए.के.गर्ग व श्री वी.के.सूरी, टाटा प्रोजेक्ट्स लि. के वरिष्ठ आवासीय प्रबन्धक श्री बी.के.आनंद तथा इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड (आई.एल.के.) के उप महाप्रबन्धक श्री ए.के.सिन्हा और परियोजना से जुडे अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जुलाई में व्यवसायिक उत्पादन शुरु कर देने पर इस इकाई से प्रतिदिन 47 लाख यूनिट बिजली बनने लगेगी। 880 करोड रुपये की लागत से निर्मित सातवी इकाई के चालू होने के साथ ही कोटा थर्मल की स्थापित क्षमता 1045 मेगावाट से बढकर 1240 मेगावाट हो गई है।

विद्युत उत्पादन निगम द्वारा इसी वर्ष सूरतगढ में 31 मार्च को 250 मेगावाट की छठी इकाई तथा 16 अप्रेल को छबडा मे 250 मेगावाट की पहली इकाई भी सिन्क्रोनाइज कर दी गई है जिनमें जुलाई और अगस्त महिने में व्यावसायिक उत्पादन शुरु किये जाने का लक्ष्य है । इसकी तैयारियां युध्द स्तर पर चल रही है। उन्होंने बताया कि छबडा बिजलीघर में निर्माणाधीन 250 मेगावाट की दूसरी इकाई को भी इसी वर्ष नवम्बर में सिन्क्रोनाइज कर दिसम्बर से व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ किये जाने का लक्ष्य है। इस प्रकार विद्युत उत्पादन निगम द्वारा इस वर्ष दिसम्बर तक 945 मेगावाट की चार नई इकाइयां चालू करने का लक्ष्य है जिससे प्रतिदिन लगभग 225 लाख यूनिट बिजली बनेगी । इससे आगामी रबी सत्र में राज्य को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

कोटा की इस इकाई के मुख्य संयंत्र बॉयलर, टरबाइन व जनरेटर की डिजाइनिंग, सप्लाई व इरेक्शन का कार्य भारत सरकार के उपक्रम मैसर्स भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स ने किया है तथा स्टेशन कन्ट्रोल एवं इन्स्ट्रूमेंटेशन कार्य इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड, कोटा और परियोजना के शेष बचे कार्य (बैलेन्स आफ प्लान्ट) मैसर्स टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा किये गये है।